साहित्य अकादमी द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के अवसर पर बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अनामिका (हिंदी), गगन दीप शर्मा (पंजाबी), इम्तेयाज रूमी (उर्दू) एवं आभा झा (मैथिली) ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं।

विशेष समाचार

साहित्य अकादेमी के बहुभाषी कवि सम्मेलन में चार कवियों ने प्रस्तुत कीं अपनी रचनाएं

नई दिल्ली, 25 नवम्बर (हि.स.)। साहित्य अकादेमी ने राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के अवसर पर बुधवार को बहुभाषी कवि सम्मिलन का आयोजन किया। इसमें अनामिका (हिंदी), गगन दीप शर्मा (पंजाबी), इम्तेयाज रूमी (उर्दू) और आभा झा (मैथिली) ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं।

वरिष्ठ कवयित्री अनामिका ने नमस्कार 2064, नमक, आम्रपाली एवं प्रसूति गृह में पिता शीर्षक से अपनी चार कविताएं प्रस्तुत कीं। इन कविताओं में पर्यावरण, स्त्री के अतीत और वर्तमान में समाज के साथ उसके बनते-बिगड़ते रिश्तों पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई थी।

इम्तेयाज रूमी (उर्दू) और गगन दीप शर्मा (पंजाबी) ने अपनी-अपनी भाषाओं में गजलें पेश कीं। इनमें कोरोना महामारी पर तो मार्मिक टिप्पणी थीं ही बल्कि छोटे कस्बों से शहर आए लोगों के सपने और संघर्ष भी थे। आभा झा ने देशभक्ति, श्रृंगार एवं करुण रस की कविताएं सस्वर प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम में अकादेमी के सचिव के.श्रीनिवासराव सहित अन्य कई लेखक एवं पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपसचिव (प्रकाशन) एन.सुरेश बाबू ने किया। उल्लेखनीय है कि 18 नवम्बर से शुरू हुई इस पुस्तक प्रदर्शनी का 27 नवम्बर को समापन होगा।

हिन्दुस्थान समाचार/पवन कुमार अरविंद

साहित्य अकादमी ने किया बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के अवसर पर बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अनामिका (हिंदी), गगन दीप शर्मा (पंजाबी), इम्तेयाज रूमी (उर्दू) एवं आभा झा (मैथिली) ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं। वरिष्ठ कवयित्री अनामिका ने नमस्कार 2064, नमक, आम्रपाली एवं प्रसूति गृह में पिता शीर्षक से अपनी चार कविताएं प्रस्तुत कीं।

इन कविताओं में पर्यावरण, स्त्री के अतीत और वर्तमान में समाज के साथ उसके बनते बिगड़ते रिश्तों पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई थी। इम्तेयाज रूमी (उर्दू) और गगन दीप शर्मा (पंजाबी) ने अपनी अपनी भाषाओं में गजलें पेश की। इनमें कोरोना महामारी पर तो मार्मिक टिप्पणी थीं ही बल्कि छोटे कस्बों से शहर आए लोगों के सपने और संघर्ष भी थे। आभा झा (मैथिली) ने देशभक्ति, श्रृंगार एवं करुण रस की कविताएं सस्वर प्रस्तुत की। कार्यक्रम में अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव सहित अन्य कई महत्त्वपूर्ण लेखक एवं पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपसचिव (प्रकाशन) एन.सुरेश बाबू ने किया। सनद रहे कि यह पुस्तक प्रदर्शनी 27 नवंबर तक पूर्वाह्न 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक प्रतिदिन खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी में पुस्तकें 20 प्रतिशत की आकर्षक छूट पर उपलब्ध हैं एवं कुछ चुनिंदा पुस्तकों पर 75 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध रहेगी।